NAME OF THE COLLEGE:- Godda college, Godda

| SL NO | DATE | NAME OF THE TEACHER | SUBJECT | SEM | TOPIC | MODE ADOPTED |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 21.04.2020 | Md Mahtab Ahmad | TC-201 | B.Ed Sem-02 | Group dynamic Importance of learning | Pdf |

M.M. Ahmad
Dept of Education
Godda college, Godda

Scanned by CamScanner

## समूह गतिशास्त्र का शिक्षा पर प्रभाव
## (Educational Implications of Group Dynamics)

समूह गतिशास्त्र हमें समूह व्यवहार की प्रकृति तथा उसकी विशेषताओं से परिचय कराता है। समूह में विद्यार्थी एक ही तरह से सोचने, अनुभव करने एवं कार्य करने में रत रहते हैं। वे सुझाव, अनुकरण तथा सहानुभूति के प्रति संवेदनशील होते हैं। समूहों के अन्तर्गत ही उनकी मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति होती है और विकास के अवसर प्राप्त होते हैं। अतः स्कूल अध्यापकों को सामूहिक जीवन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्हें बच्चों के विकास के लिए समाज में विद्यमान औपचारिक एवं अनौपचारिक समूहों का भी प्रयोग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त मनोविज्ञान द्वारा वैयक्तिक प्रवृत्तियों का समर्थन किये जाने पर भी हम यह देखते हैं कि व्यक्ति की आन्तरिक शक्तियों तथा योग्यताओं का उचित विकास समूह में ही होता है। सामूहिक जीवन में सीखने के लिए उचित वातावरण का निर्माण होता है और बच्चे चेतन या अचेतन दोनों ही रूपों में दूसरों के अनुकरण द्वारा बहुत सी बातें सीख जाते हैं। सामूहिक जीवन व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, भावात्मक, सामाजिक एवं सौन्दर्यात्मक विकास के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। सामूहिक जीवन बच्चों में सामाजिक दृढ़ता, स्थिरता, वफादारी, पारस्परिक स्नेह तथा सहयोग आदि वांछित आदतों का निर्माण करता है और उन्हें भविष्य में आनन्दमय सामाजिक जीवन के लिए तैयार करता है। संक्षेप में, सफल जीवन की कला समूह जीवन में ही सीखी जा सकती है।

समूह गतिशास्त्र हमें यह भी बताता है कि व्यक्ति समूह में अलग प्रकार का व्यवहार क्यों करते हैं। यदि समूह गतिशास्त्र का उचित रूप से प्रयोग किया जाए तो विद्यार्थी शानदार परिणाम प्राप्त कर सकते हैं और उन्हें उपयोगी एवं सृजनात्मक दिशा की ओर अग्रसर किया जा सकता है। अध्यापक अपने योग्य नेतृत्व में कक्षा को एक समूह के रूप में संगठित करके समूह जीवन की उपलब्धि का सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। वह बच्चों को स्कूल की सीमा में अन्य कई समूह बनाने की प्रेरणा भी प्रदान कर सकता है। स्कूल के बाहर भी बच्चों को उपयोगी सामाजिक और मनोविज्ञान समूहों के साथ सम्बन्धित करने के लिए माता-पिताओं का सहयोग प्राप्त करने की चेष्टा की जा सकती है। इन समूहों को बच्चों को उचित विकास के लिए काम में लाया जा सकता है। ध्यान से देखा जाए तो जीवन में उचित विकास तथा समायोजन के लिए समूह में भाग लेना अत्यन्त आवश्यक है। अतः अलग-थलग रहने वाले बच्चों को समूह के अन्तर्गत लाने के प्रयत्न किए जाने चाहिएँ। समूह व्यवहार को विकसित करने के लिए स्कूल में कई साधन अपनाए जा सकते हैं। पाठ्य-सहगामी क्रियाओं तथा कक्षा सम्बन्धी क्रियाओं के माध्यम से समूहगत विद्यार्थियों को समूह में भाग लेने के विभिन्न अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। समूह कार्यों (Group work) को प्रोत्साहित करके विद्यार्थियों को समान रूप से सोचने, अनुभव करने तथा कार्य करने का प्रशिक्षण दिया जा सकता है ताकि उनमें अपने समूहों, स्कूल तथा अन्ततः अपने राष्ट्र के प्रति 'अपनत्व' की भावना जागृत हो सके।

Scanned by CamScanner